

11-1-21

नकुलाप उप०। जार्जी की
मूल आपणा विस्तृत विवेचन
के साक निगीत की जा चुकी है,
के अनुसार अनुगत प्रकृता का का
वित्तियत कि जा जाता है पशिवी-
केसल शुधाट है) केबट से फन
होकर शाखिल दफ्तर है)



अपर कलक्टर, नागौर